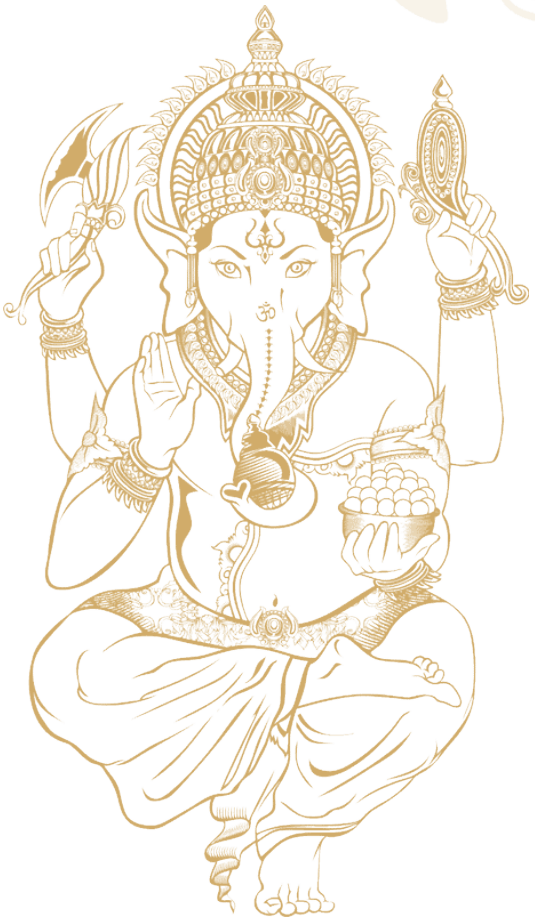

Paras Shah Reddy

16 Mar 1987

01:45 AM

Akola

Model: web-freekundliweb

Order No: 121476302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15-16/03/1987**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**01:45:00 घंटे**
इष्ट	48:04:38 घटी
स्थान	**Akola**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	20:40:00 उत्तर
रेखांश	77:05:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:23:20 घंटे
वेलान्तर	-00:09:08 घंटे
साम्पातिक काल	12:54:55 घंटे
सूर्योदय	06:31:08 घंटे
सूर्यास्त	18:30:44 घंटे
दिनमान	11:59:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:02:02 मीन
लग्न के अंश	10:18:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	गण्ड
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पा-पल्लवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:18:32	335:54:33	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			मीन	01:02:02	00:59:46	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	04:31:51	12:57:09	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	22:14:36	00:40:48	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			कुंभ	06:42:09	00:17:02	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	सम राशि
गुरु		अ	मीन	09:26:43	00:14:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मक	21:03:08	01:11:02	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			वृश्चि	27:17:18	00:01:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:49:02	00:00:57	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:49:02	00:00:57	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			धनु	02:56:00	00:00:52	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप			धनु	14:08:58	00:00:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	16:00:13	00:01:03	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	21:14:08	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:38

लग्न-चलित

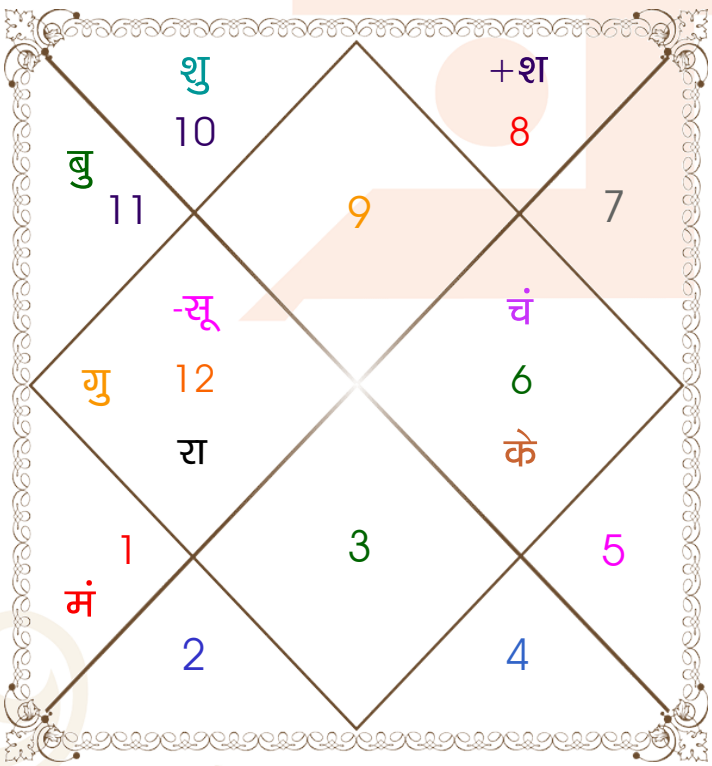

चन्द्र कुंडली

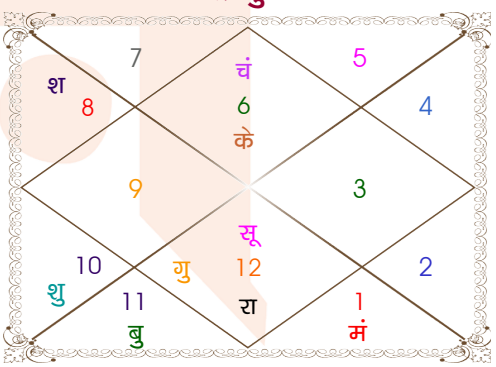

नवमांश कुंडली

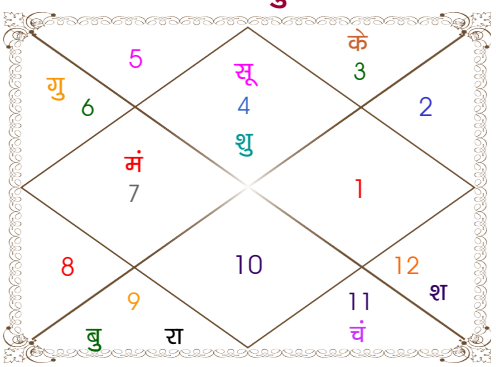

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 5 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/03/1987		31/08/1989		31/08/1999		31/08/2006		30/08/2024	
31/08/1989		31/08/1999		31/08/2006		30/08/2024		30/08/2040	
	00/00/0000	चंद्र	01/07/1990	मंगल	27/01/2000	राहु	13/05/2009	गुरु	18/10/2026
	00/00/0000	मंगल	30/01/1991	राहु	14/02/2001	गुरु	07/10/2011	शनि	01/05/2029
	00/00/0000	राहु	31/07/1992	गुरु	21/01/2002	शनि	13/08/2014	बुध	07/08/2031
	00/00/0000	गुरु	30/11/1993	शनि	01/03/2003	बुध	01/03/2017	केतु	13/07/2032
	16/03/1987	शनि	01/07/1995	बुध	27/02/2004	केतु	19/03/2018	शुक्र	14/03/2035
शनि	19/06/1987	बुध	30/11/1996	केतु	25/07/2004	शुक्र	19/03/2021	सूर्य	31/12/2035
बुध	24/04/1988	केतु	01/07/1997	शुक्र	24/09/2005	सूर्य	11/02/2022	चंद्र	01/05/2037
केतु	30/08/1988	शुक्र	01/03/1999	सूर्य	30/01/2006	चंद्र	13/08/2023	मंगल	07/04/2038
शुक्र	31/08/1989	सूर्य	31/08/1999	चंद्र	31/08/2006	मंगल	30/08/2024	राहु	30/08/2040

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/08/2040		31/08/2059		30/08/2076		31/08/2083		01/09/2103	
31/08/2059		30/08/2076		31/08/2083		01/09/2103		00/00/0000	
शनि	03/09/2043	बुध	27/01/2062	केतु	26/01/2077	शुक्र	31/12/2086	सूर्य	20/12/2103
बुध	13/05/2046	केतु	24/01/2063	शुक्र	29/03/2078	सूर्य	31/12/2087	चंद्र	19/06/2104
केतु	22/06/2047	शुक्र	24/11/2065	सूर्य	03/08/2078	चंद्र	31/08/2089	मंगल	25/10/2104
शुक्र	22/08/2050	सूर्य	30/09/2066	चंद्र	04/03/2079	मंगल	31/10/2090	राहु	19/09/2105
सूर्य	04/08/2051	चंद्र	01/03/2068	मंगल	01/08/2079	राहु	30/10/2093	गुरु	08/07/2106
चंद्र	04/03/2053	मंगल	26/02/2069	राहु	18/08/2080	गुरु	30/06/2096	शनि	17/03/2107
मंगल	13/04/2054	राहु	15/09/2071	गुरु	25/07/2081	शनि	31/08/2099		00/00/0000
राहु	17/02/2057	गुरु	21/12/2073	शनि	03/09/2082	बुध	02/07/2102		00/00/0000
गुरु	31/08/2059	शनि	30/08/2076	बुध	31/08/2083	केतु	01/09/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 5 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।